



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 401]  
No 401]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 17, 1990/भाद्रपद 26, 1912  
NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 17, 1990/BHADRA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1990

सं. 241/90-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 784(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 306/85-सीमा शुल्क, तारीख 1 अक्टूबर, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन केस्ती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में,—

“30, सितम्बर, 1990” श्रृंखला और शब्दों के स्थान पर  
“31, मार्च, 1992” श्रृंखला और शब्द रखे जाएंगे

[फा.सं. 346/56/88-टी आर. य.]

2524GI/90

(1)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 17th September, 1990.

No. 241/90-Customs

G.S.R. 784(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 306/85-Customs, dated the 1st October, 1985, namely :—

In paragraph 2 of the said notification for the figures, letters and words “30th day of September, 1990”, the figures, letters and words “31st day of March, 1992” shall be substituted.

[F. No. 346/56/88-TRU]

सं. 242/90-सीमाशुल्क

सं. का. नि. 785 (अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्षक सं. 95.08 के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं, मूलों और अन्य मेलारण्ड आभूषणों और उनके भागों में तथा उपधामाधनों का (जिनमें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है), जब उनका आभूषण-प्रमोद पार्क बनाने के लिए भारत में आयात किया जाए, तो,—

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त पर उद्गृहणीय सीमा शुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के 45 प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्गृहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से;

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती अर्थात् :—

- (i) आयातकर्ता ऐसा भारतीय नागरिक है, जो उक्त माल की लड़ाई से तुरन्त पूर्व विदेश में कम से कम एक वर्ष से निवास कर रहा है;
- (ii) उक्त माल के लागत बीमा भाड़े (सीआईएफ) के लिए आयातकर्ता द्वारा विदेश में अपने निवास के दौरान अर्जित की गई विदेशी मुद्रा से संदाय किया गया है।
- (iii) आयातकर्ता आयात के समय सहायक कलक्टर, सीमाशुल्क के समक्ष अपने पासपोर्ट की फोटो काफ़ी और उस देश के, जहां वह निवास कर रहा था, नोटरी के समक्ष निष्पादित किया गया इस आशय का गणपथ-पत्र प्रस्तुत करता है कि वह वहां एक वर्ष से अधिक की कालावधि से निवास कर रहा था; और
- (iv) आयातकर्ता सहायक कलक्टर, सीमाशुल्क का आयात के समय और स्थान पर इस आशय का वचन देता है कि उक्त माल आयात किए जाने की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि तक उसके कब्जे, नियंत्रण में रहेगा और उसका उक्त प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा जिसके लिए उसका आयात किया गया है और उसे विप्रीत या अलग किया जाएगा तथा उसके उक्त का पालन न करने की दशा में वह यदि इसमें अन्तर्निहित छूट न होती तो ऐसे माल पर उद्गृहणीय शुल्क और आयात

के समय पहले ही संदत्त किए जा चुके शुल्क के बीच के अन्तर के बराबर रकम का भाग किए जाने पर संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण :—शर्त (1) के प्रयोजन के लिए उसमें विनिर्दिष्ट कालावधि के दौरान उक्त भारतीय नागरिक के कम समय के लिए भारत में आगमन पर, यदि कोई हो, ध्यान नहीं दिया जाएगा यदि ऐसे आगमन के दौरान उठरने की अवधि तीन मास से अधिक न हो।

परन्तु उक्त भारतीय नागरिक द्वारा पर्याप्त हेतुक दर्शित करने पर सीमाशुल्क कलक्टर तीन मास से अधिक भारत में उठरने की अवधि को माफ कर सकेगा।

[फा सं. 346/101/90-टी.आर.शू.]

### No. 242/90-CUSTOMS

G.S.R. 785(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Roundabouts, swings and other fairground amusements and parts and accessories thereof (herein after referred to as the said goods) falling under heading No. 95.08 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975), when imported into India for setting up of amusement parks, from,—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 45% ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer is an Indian citizen who has been residing abroad for a minimum period of one year immediately preceding the shipment of the said goods;
- (ii) the CIF cost of the said goods is paid for out of the foreign exchange earned by the importer during his stay abroad;
- (iii) the importer produces before the Assistant Collector of Customs at the time of importation a photocopy of his passport and a sworn affidavit executed before a Notary of the country where he was residing to the effect that he has been residing there for a period exceeding one year; and
- (iv) the importer gives an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time and place of importation to the effect that the said goods shall remain in his possession, control and used for the purpose for which they were imported and shall not be sold or parted with for a period of five years from the date of importation and in

the event of his failure to comply with the same, he shall pay on demand an amount equal to the difference between the duty leviable on such goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

Explanation :—For the purpose of condition (i), short visits, if any, made by the said Indian citizen to India during the period specified therein shall be ignored, if the total duration of stay of these visits did not exceed three months ;

Provided that on sufficient cause being showing by the said Indian citizen, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of three months.

[F. No. 346/101/90-TRU]

सं. 243/90 सीमा शुल्क

सा.का.नि. 786 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लाकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 6/90-सीमाशुल्क, तारीख 23 जनवरी, 1990 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “35 प्रतिशत” शब्दों के स्थान पर “20 प्रतिशत” शब्द रखे जायेंगे।

[फा.सं. 332/80/88-टी.आर.य.]

#### NO. 243/90-CUSTOMS

G.S.R. No. 786(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India to the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 6/90-Customs, dated the 23rd January, 1990, namely :—

In the said notification, for the words and figures, “35 per cent ad valorem” the words and figures “20 per cent ad valorem” shall be substituted.

[F. No. 332/80/88-TRU]

सं. 244/90-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 787 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लाकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 321/87-सीमा शुल्क तारीख 28 सितम्बर, 1987 का और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की धारा 2 के खण्ड (ii) में “पांच लाख रुपये” शब्दों के स्थान पर “दोस लाख रुपये” शब्द रखे जायेंगे।

[फा.सं. 348/31/89-टी.आर.य.]

#### NO. 244/90-CUSTOMS

G.S.R. 787(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 321/87-Customs, dated the 22nd September, 1987, namely :—

In condition 2 of the said notification, in clause (ii), for the words “five lakhs rupees” the words “twenty lakh rupees” shall be substituted.

[F. No. 348/31/89-TRU]

सं. 140/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 788 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 18 के अन्तर्गत आने वाले सैपलियों कागज और क्राफ्ट कागज को उन पर उद्ग्रहणीय मसूमे उत्पाद-शुल्क में, जो उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं, छूट देता है :

परन्तु यह तब जब कि ऐसे कागज का राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान, देहरादून द्वारा दिए गए किसी मांगपत्र के संबंध में किसी देश मद्रजानय को प्रदान किया गया हो।

[सं. 354/7/90-टी.आर.य.]

#### NO. 140/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 788(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts maplitho paper and kraft paper falling within Chapter 48 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule:

Provided that such paper is supplied to a braille press against an indent placed by the National Institute for Visually Handicapped, Dehradun.

[F. No. 354/7/90-TRU]

सं. 141/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 789 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क

की उपयोग (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 16/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी के स्तंभ (3) में प्रविष्टि (5) के पश्चात्, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ सम्मिलित की जायेंगी, अर्थात्:—

- (6) औजार कक्ष और प्रशिक्षण केन्द्र, दिल्ली।
- (7) सरकारी औजार कक्ष और प्रशिक्षण केन्द्र, बंगलूर
- (8) प्रशिक्षण और औजार कक्ष संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।”।

[फा.सं. 354/84/89-टी आर.यु.]

#### NO. 141/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 789(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 66/90-Central Excises, dated the 20th March, 1990, namely:—

In column (3) of the Table to the said notification, after entry (v), the following entries shall be inserted, namely:—

- “(vi) Tool Room and Training Centre, Delhi.
- (vii) Government Tool Room and Training Centre, Bangalore.
- (viii) Institute of Training and Tool Room of Uttar Pradesh, Lucknow.”.

[F. No. 354/84/89-TRU]

सं. 143/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 790(प्र)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 16/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 20 मार्च, 1990 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, और अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से उल्लिखित सारणी में, क्रम सं. 13 के सामने, स्तंभ (3) के नीचे की प्रविष्टि में, “चूना” शब्द के पश्चात्, “चूनात्थर” शब्द अंतर्स्थापित किया जायेगा।

फा.सं. 354/51/90-टी आर.यु.]

#### NO. 143/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 790(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 16/90-Central Excises, dated the 20th March, 1990, namely:—

In the Table annexed to the said notification, against Sl. No. 13, in the entry under column (3), after the word “Lime”, the word “limestone” shall be inserted.

[F. No. 354/51/90-TRU]

सं. 144/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 791(प्र)—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क दैरिक अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के अध्याय 27 के अन्तर्गत प्राप्ति वाले कच्चा नेफ्था और द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन को, जो पेन्टेनीस और हैप्टेनीस के विनिर्माण में उपयोग के लिए आशयित है, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत पर उद्घाटनीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है, जिसमें पेन्टेनीस और हैप्टेनीस के विनिर्माण में उपयुक्त कच्चे नेफ्था या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन पर 15° सेटीग्रेड पर 60 रु. प्रति किलोमीटर की दर में संगणित रकम में अधिक है।

परन्तु जहाँ ऐसा उपयोग विनिर्माण के कारखाने से अन्यत्र किया जाता है वहाँ केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में उपबर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—

पेन्टेनीस और हैप्टेनीस के विनिर्माण में उपयुक्त कच्चे नेफ्था या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन की मात्रा की संगणना उत्पादों के विनिर्माण के कारखाने द्वारा प्राप्त कच्चे नेफ्था प्राकृतिक गैसोलीन की मात्रा में से किसी कारखाने द्वारा किसी ऐसी परिष्करण की जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 140 के उपनियम (2) के अधीन उस रूप में घोषित की जाती है, वापस किए गये कच्चे नेफ्था या द्रवित प्राकृतिक गैसोलीन या उनके मिश्रण की मात्रा को घटा कर की जाएगी।

[सं. 332/94/89-टी आर.यु.]

आर. के. महाजन, अवर सचिव

#### NO. 144/90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 5A of the Central

Excises and Salt Act, 1944 ( 1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw naphtha and natural gasoline liquified falling within Chapter 27 of the Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and intended for use in the manufacture of pentanes and heptanes from so much of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of Rs. 60 per kilolitre at 15° C. on the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified consumed in the manufacture of pentanes and heptanes :

Provided where such use is elsewhere than in the factory of manufacture, the procedure set out in

Chapter X of the Central Excise Rules, 1944 shall be followed.

Explanation :

The amount of raw naphtha or natural gasoline liquified consumed in the manufacture of pentanes and heptanes shall be calculated by subtracting from the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified received by the factory manufacturing the products, the quantity of raw naphtha or natural gasoline liquified or a mixture thereof returned by a factory to a refinery, declared as such under sub-rule (2) of rule 140 of the Central Excise Rules 1944.

[F. No. 332/94/89-TRU]

R. K. MAHAJAN. Under Secy.

